वीरानम झील में ग्रेटर फ्लेमिंगो: आवास, जलस्तर और संरक्षण के परीक्षा-तथ्य

प्रारंभिक परीक्षा अध्ययन और अभ्यास | पर्यावरण तथा भूगोल | समाचार-संदर्भ: 27 अक्टूबर 2026 | प्रकाशन: 28 अक्टूबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

तमिलनाडु के कुड्डालोर ज़िले की वीरानम झील में ग्रेटर फ्लेमिंगो देखे गए हैं। द हिंदू की 27 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, ए.वी.सी. कॉलेज के पक्षी-शोधकर्ता जे. पांडियन और उनकी टीम ने 25 अक्टूबर को इस मीठे पानी की झील में 18 पक्षी दर्ज किए। यह स्थानीय स्तर पर असामान्य दृश्य है; इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि इस प्रजाति का अंतर्देशीय जलाशयों में जाना सर्वथा नया है।

ग्रेटर फ्लेमिंगो: मुख्य तथ्य

- **वैज्ञानिक नाम:** *Phoenicopterus roseus*। इसे लेसर फ्लेमिंगो (*Phoeniconaias minor*) से अलग पहचानें।
- **फैलाव:** अफ्रीका, भूमध्यसागरीय क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया में मिलता है।
- **आवास:** उथली खारी झीलें, लैगून, नमक के पैन और मुहाने महत्वपूर्ण हैं। BirdLife के अनुसार यह अंतर्देशीय बाँधों का भी उपयोग करता है। अत: इसे केवल समुद्री तटों तक सीमित बताना गलत होगा।
- **भोजन:** चोंच की महीन छननी-जैसी प्लेटों से भोजन छानता है। आहार में छोटे क्रस्टेशियन, मोलस्क, जलीय कीट और शैवाल सहित अनेक पदार्थ आते हैं।
- **गतिशीलता:** जलस्तर और भोजन की उपलब्धता के बदलने पर पक्षियों की आवाजाही बदल सकती है। BNHS के अनुसार भारत में फ्लेमिंगो निवासी पक्षियों और शीतकालीन आगंतुकों, दोनों रूपों में मिलते हैं; सभी पक्षियों को एक ही प्रवास-पथ में नहीं बाँधना चाहिए।

- **संरक्षण स्थिति:** BirdLife की वैश्विक तथ्यपत्रिका में IUCN श्रेणी *Least Concern* है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर स्थानीय आवास सुरक्षित है या संरक्षण की जरूरत नहीं है।

तटीय आर्द्रभूमि और उसके आसपास के संरक्षण की प्रक्रिया समझने के लिए पुलिकट अभयारण्य पर हमारा लेख भी पढ़ें। वीरानम और पुलिकट अलग जलाशय हैं।

वीरानम झील: मानचित्र के लिए तथ्य

- तमिलनाडु के कुड्डालोर ज़िले में स्थित मानव-निर्मित झील; इसका दूसरा नाम वीरनारायण झील है।
- ज़िला प्रशासन के अनुसार इसका निर्माण दसवीं शताब्दी में चोल राजकुमार राजादित्य ने कराया था।
- तमिलनाडु पर्यटन विभाग के अनुसार वडवारु नदी इसे कोल्लिडम नदी से जोड़ती है।
- यह सिंचाई के साथ चेन्नई के पेयजल की आपूर्ति में भी उपयोगी है।

आवास बदलने की व्याख्या: क्या पता है, क्या नहीं?

समाचार-रिपोर्ट में पांडियन ने कम वर्षा, कावेरी के कम प्रवाह और तटीय क्षेत्रों में भोजन की कमी को संभावित कारण बताया। उनके अनुसार झील का घटता जलस्तर उथले भोजन-क्षेत्र बना सकता है। यह शोधकर्ता की व्याख्या है, इस एक दृश्य से स्थापित कारण-परिणाम संबंध नहीं। रिपोर्ट स्वयं कहती है कि आगे निगरानी जरूरी है। यहाँ पक्षियों की उपस्थिति से न प्रजनन-कालोनी प्रमाणित होती है, न स्थायी प्रवास-पथ परिवर्तन और न किसी एक जलवायु कारक की निर्णायक भूमिका।

अध्ययन-आरेख: आर्द्रभूमि का उपयोग कैसे बदल सकता है?

वर्षा और नदी-प्रवाह में बदलाव

↓

जलस्तर, लवणता और भोजन की उपलब्धता में बदलाव

↓

पक्षियों के भोजन-स्थल और आवाजाही में संभावित बदलाव

यह सामान्य पारिस्थितिक संबंध है, वीरानम में किसी खास कारण का प्रमाण नहीं।

संरक्षण के लिए क्या सीख?

प्रबंधन को केवल पक्षियों की एक दिन की गिनती तक सीमित न रखें। अलग-अलग मौसम में गिनती, जलस्तर, जल-गुणवत्ता और भोजन-क्षेत्र की निगरानी साथ होनी चाहिए। BirdLife प्रजनन-स्थलों पर व्यवधान, प्रदूषण और जलस्तर में बदलाव से जुड़े जोखिम बताता है। Ramsar का जल-प्रबंधन मार्गदर्शन भी आर्द्रभूमि और व्यापक जल-चक्र को साथ समझने पर ज़ोर देता है। इसलिए सिंचाई और पेयजल के उपयोग के साथ पारिस्थितिक जरूरतों को भी देखना उपयोगी है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. ग्रेटर फ्लेमिंगो का वैज्ञानिक नाम क्या है?

(a) Phoenicopterus roseus

(b) Phoeniconaias minor

(c) Ardea cinerea

(d) Pavo cristatus

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (a)। ग्रेटर फ्लेमिंगो Phoenicopterus roseus है; विकल्प (b) लेसर फ्लेमिंगो है।

प्रश्न 2. वीरानम झील के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(a) यह केरल की प्राकृतिक हिमानी झील है

(b) यह तमिलनाडु के कुड्डालोर ज़िले में मानव-निर्मित झील है

(c) यह केवल समुद्री जल से भरा बंदरगाह है

(d) इसका चेन्नई की जलापूर्ति से कोई संबंध नहीं है

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (b)। ज़िला प्रशासन और राज्य पर्यटन विभाग स्थान, मानव-निर्मित उत्पत्ति और जलापूर्ति की भूमिका की पुष्टि करते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ग्रेटर फ्लेमिंगो केवल समुद्री तटों पर मिलता है और अंतर्देशीय जलाशयों का उपयोग नहीं करता।
2. किसी एक झील में इसकी उपस्थिति अपने-आप वहाँ प्रजनन-कालोनी का प्रमाण है।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न 1, न 2

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (d)। BirdLife अंतर्देशीय बाँधों सहित विविध आवास दर्ज करता है। केवल उपस्थिति से प्रजनन सिद्ध नहीं होता; उसके अलग साक्ष्य चाहिए।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

आर्द्रभूमियों के जल-प्रबंधन और प्रवासी पक्षियों के संरक्षण को अलग-अलग देखने की सीमाएँ बताइए। समेकित निगरानी के उपाय सुझाइए। (150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: जलस्तर और भोजन की उपलब्धता से पक्षियों की आवाजाही का संबंध बताते हुए वीरानम झील में ग्रेटर फ्लेमिंगो के अवलोकन का संदर्भ दें।

मुख्य भाग में: सिंचाई और पेयजल के उपयोग के साथ आर्द्रभूमि की पारिस्थितिक जरूरतें जोड़ें। अलग-अलग मौसम में पक्षियों की गिनती, जलस्तर, जल-गुणवत्ता और भोजन-क्षेत्र की समेकित निगरानी सुझाएं। एक अवलोकन को स्थायी प्रवास-पथ परिवर्तन, प्रजनन-कालोनी या किसी एक कारण का निर्णायक प्रमाण न मानें।

निष्कर्ष में: आर्द्रभूमि और व्यापक जल-चक्र को साथ समझते हुए जल-प्रबंधन तथा पक्षी-संरक्षण का समन्वय रखें।

> **संबंधित अध्ययन:** पुलिकट अभयारण्य: सीमा और पारिस्थितिक-संवेदी क्षेत्र। दोनों जगहों की भौगोलिक पहचान अलग रखते हुए आर्द्रभूमि-संरक्षण की तुलना करें।

स्रोत और सीमाएँ

- द हिंदू, 27 अक्टूबर 2026: 18 पक्षियों का 25 अक्टूबर का अवलोकन और शोधकर्ता की व्याख्या। यह प्रत्यक्ष समाचार-स्रोत है, प्रकाशित कारणात्मक अध्ययन नहीं।
- BirdLife DataZone: Greater Flamingo: वैश्विक स्थिति, आवास, आहार और जोखिम।
- BNHS: Flamingos: भारत में निवासी तथा शीतकालीन आगंतुक और निगरानी।
- कुड्डालोर ज़िला प्रशासन: वीरानम झील: स्थान, इतिहास और जलापूर्ति।
- तमिलनाडु पर्यटन विभाग: वडवारु-कोल्लिडम संबंध। पृष्ठ का बिना तारीख वाला वर्तमान जलस्तर यहाँ नहीं लिया गया है।
- Ramsar: जल-संबंधी समेकित मार्गदर्शन: जल-चक्र और आर्द्रभूमि प्रबंधन का सामान्य ढाँचा; इससे वीरानम का Ramsar दर्जा अभिप्रेत नहीं है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: वीरानम झील में ग्रेटर फ्लेमिंगो दिखने की खबर स्थानीय अवलोकन है; प्रजाति को केवल समुद्री तटों तक सीमित नहीं माना गया है।

प्रश्न: ग्रेटर फ्लेमिंगो का वैज्ञानिक नाम क्या है?

इसका वैज्ञानिक नाम Phoenicopterus roseus है। लेख इसे लेसर फ्लेमिंगो से अलग पहचानने को कहता है।

प्रश्न: क्या ग्रेटर फ्लेमिंगो केवल समुद्री तटों पर मिलता है?

नहीं, खारी झीलों, लैगून, नमक के पैन और मुहानों के साथ यह अंतर्देशीय बाँधों का भी उपयोग करता है। केवल तटों तक सीमित बताना गलत होगा।

प्रश्न: वीरानम झील कहाँ है?

यह तमिलनाडु के कुड्डालोर ज़िले में मानव-निर्मित झील है। इसका दूसरा नाम वीरनारायण झील है।